तारीख हुक्म	हुक्म या कार्यवाही ... मजिस्ट्रेट्स जज
29/3/22	पत्रावली पेश की। वकील वादी। प्रार्थी अनुपस्थित। आवाज लगायी गई। प्रार्थी व उनके अभिभाषक अनुपस्थित। पत्रावली देखा की रिपोर्ट के अनुसार वार्ड वर्णित में जाने-आने हेतु मौ० शुजाबाद में भी कोई बाधा नहीं है वार्ड का विकल्प मौ० शुजाबाद में भी है। वाद के चालने गये रास्ते कोई ऑब्जेक्शन नहीं है। प्रार्थी का प्रार्थना पत्र अदम पैरवी में खारिज किया जाता है। पत्रावली अदम पैरवी में दाखिल दफ्तर हो।

Signature Not Verified

Digitally signed by Sunil Kumar Chouhan
Date: 2022.05.17 16:06:53 IST
Reason: SelfAttested